डीआरडीओ समाचार

www.drdo.gov.in

डीआरडीओ की मासिक गृह पत्रिका

जून 2023 खण्ड 35 अंक 06

ISSN: 0971-4405

डीआरडीओ द्वारा राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस का आयोजन

संरक्षक: डॉ के नागेश्वर राव
मुख्य संपादक: सुधांशु भूषण
संपादक: दीप्ति अरोडा
सहायक संपादक:: धर्म वीर
अनुवादक: सुनील कुमार दुबे
मुद्रण: एस के गुप्ता

प्रकाशन का 35वां वर्ष

डीआरडीओ समाचार के ई–संस्करण तक पहुंचने के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें

हमारे संवाददाता

अहमदनगर	:	श्री आर ए शेख, वाहन अनुसंधान एवं विकास स्थापना (वीआरडीई)
चांदीपुर	:	श्री पी एन पांडा, एकीकृत परीक्षण परिसर (आईटीआर)
		श्री रत्नाकर एस महापात्रा, प्रूफ एवं प्रयोगात्मक संगठन (पीएक्सई)
बेंगलूरु	:	श्री सतपाल सिंह तोमर, वैमानिकी विकास स्थापना (एडीई)
		श्रीमती एम आर भुवनेश्वरी, वायुवाहित प्रणाली केंद्र (कैब्स)
		श्रीमती फहीमा ए जी जे, कृत्रिम ज्ञान एवं रोबोटिकी केंद्र (केयर)
		डॉ जोसेफिन निर्मला एम, युद्धक विमान प्रणाली विकास एवं एकीकरण केंद्र (कैसडिक)
		डॉ संचिता सिल तथा डॉ सुधीर एस काम्बले, रक्षा जैव अभियांत्रिकी एवं विद्युत चिकित्सा प्रयोगशाला (डेबेल)
		डॉ वी सेंथिल, गैस टरबाइन अनुसंधान स्थापना (जीटीआरई)
		श्री वेंकटश प्रभु, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं रडार विकास स्थापना (एलआरडीई)
		डॉ अशोक बंसीवाल, सूक्ष्म तरंग नलिका अनुसंधान एवं विकास केंद्र (एमटीआरडीसी)
चंडीगढ़	:	डॉ पाल दिनेश कुमार, चरम प्राक्षेपिकी अनुसंधान प्रयोगशला (टीबीआरएल)
		डॉ अनुजा कुमारी, रक्षा भू–सूचना विज्ञान अनुसंधान स्थापना (डीजीआरई)
चेन्नई	:	श्री के अंबाझगन, युद्धक वाहन अनुसंधान एवं विकास स्थापना (सीवीआरडीई)
देहरादून	:	श्री अभय मिश्रा, रक्षा इलेक्ट्रॉनिक अनुप्रयोग प्रयोगशाला (डील)
		श्री जे पी सिंह, यंत्र अनुसंधान एवं विकास स्थापना (आईआरडीई)
दिल्ली	:	श्री तपेश सिन्हा, रक्षा वैज्ञानिक सूचना एवं प्रलेखन केंद्र (डेसीडॉक)
		डॉ दीप्ति प्रसाद, रक्षा शरीरक्रिया एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान (डिपास)
		श्री संतोष कुमार चौधरी, रक्षा मनोवैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान (डीआईपीआर)
		श्री नवीन सोनी, नाभिकीय औषधि एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान (इनमास)
		श्रीमती रबिता देवी, पद्धति अध्ययन एवं विश्लेषण संस्थान (ईसा)
		श्री अशोक कुमार, वैज्ञानिक विश्लेषण समूह (एसएजी)
		डॉ रुपेश कुमार चौबे, ठोसावस्था भौतिकी प्रयोगशाला (एसएसपीएल)
ग्वालियर	:	डॉ ए के गोयल, रक्षा अनुसंधान एवं विकास स्थापना (डीआरडीई)
हल्द्वानी	:	डॉ अतुल ग्रोवर, रक्षा जैव–ऊर्जा अनुसंधान संस्थान (डिबेर)
हैदराबाद	:	श्री हेमंत कुमार, उन्नत प्रणाली प्रयोगशाला (एएसएल)
		श्री ए आर सी मूर्ति, रक्षा इलेक्ट्रॉनिक अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएलआरएल)
		डॉ मनोज कुमार जैन, रक्षा धातुकर्मीय अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएमआरएल)
		श्री ललित शंकर, अनुसंधान केंद्र इमारत (आरसीआई)
जगदलपुर	:	डॉ गौरव अग्निहोत्री, एसएफ परिसर (एसएफसी)
जोधपुर	:	श्री डी के त्रिपाठी, रक्षा प्रयोगशाला (डीएल)
कानपुर	:	डॉ मोहीत कटियार, रक्षा सामग्री एवं भंडार अनुसंधान और विकास स्थापना (डीएमएसआरडीई)
कोच्चि	:	श्रीमती लीथा एम एम, नौसेना भौतिक एवं समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एनपीओएल)
लेह	:	डॉ डॉर्जी आंगचॉक, रक्षा उच्च तुंगता अनुसंधान संस्थान (दिहार)
मसूरी	:	ग्रुप कैप्टन आर के मंशारमरानी, प्रौद्योगिकी प्रबंध संस्थान (आईटीएम)
मैसूर	:	डॉ एम पालमुरुगन, रक्षा खाद्य अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएफआरएल)
पुणे	:	श्री अजय के पांडे, आयुध अनुसंधान और विकास स्थापना (एआरडीई)
		डॉ विजय पट्टर, रक्षा उन्नत प्रौद्योगिकी संस्थान (डीआईएटी)
		डॉ गणेश शंकर डोम्बे, उच्च ऊर्जा पदार्थ अनुसंधान प्रयोगशाला (एचईएमआरएल)
तेजपुर	:	डॉ के एस नखुरु, रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डीआरएल)
विशाखापत्तनम	:	श्रीमती ज्योत्सना रानी, नौसेना विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एनएसटीएल)

इस अंक में

मुख्य लेख 4

समझौता ज्ञापन 9

घटनाक्रम 10

मानव संसाधन विकास क्रियाकलाप 14

कार्मिक समाचार 19

निरीक्षण/दौरा कार्यक्रम 22

वेबसाइट: https://www.drdo.gov.in/samachar

अपने सुझावों से हमें अवगत कराने के लिए कृपया संपर्क करें:

director.desidoc@gov.in/ drdonl.desidoc@gov.in

दूरभाष: 011-23902403, 23902472

फैक्स: 011-23819151

डीआरडीओ द्वारा राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस का आयोजन

डीआरडीओ द्वारा राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस 2023 का आयोजन, अत्याधुनिक नवाचारों का प्रदर्शन और असाधारण योगदानों को मान्यता प्रदान की गयी

रक्षा विज्ञान मंच (डीएसएफ), डीआरडीओ ने 17 मई 2023 को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस–2023 के उत्सव को चिह्नित किया, जिसमें प्रौद्योगिकी में अभूतपूर्व प्रगति पर प्रकाश डाला गया और क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए असाधारण वैज्ञानिकों को मान्यता दी गई। डीआरडीओ मुख्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम में गणमान्य डीडी आर एंड डी के सचिव एवं डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ समीर वी कामत सहित रक्षा मंत्री के वैज्ञानिक सलाहकार डॉ सतीश रेड्डी; महानिदेशक (जीव विज्ञान) और संयोजक डीएसएफ, डॉ यू के सिंह के साथ–साथ महानिदेशकों और निदेशकों की उपस्थिति देखी गई।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पोखरण परमाणु परीक्षण की वर्षगांठ के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। 11 मई 1998 को, भारत ने राजस्थान में भारतीय सेना के पोखरण परीक्षण रेंज में तीन परमाणु परीक्षण किए और सफलतापूर्वक परमाणु हथियारों वाले देशों के कुलीन समूह में प्रवेश किया। तब से, 11 मई को पोखरण परमाणु परीक्षण की वर्षगांठ को चिह्नित करने के लिए पूरे भारत में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस वर्ष के आयोजन का मुख्य आकर्षण जैव–प्रौद्योगिकी विभाग के प्रसिद्ध सचिव डॉ राजेश गोखले का ज्ञानवर्धक व्याख्यान था, जिनके विशाल ज्ञान और गहन अंतर्दृष्टि ने दर्शकों को मोहित कर लिया। उनका व्याख्यान जैव–प्रौद्योगिकी की परिवर्तनकारी क्षमता और स्वास्थ्य, कृषि और पर्यावरणीय स्थिरता सहित विभिन्न क्षेत्रों पर इसके महत्वपूर्ण प्रभाव पर प्रकाश डालता है।

सुश्री मोहना कुमारी, इलेक्ट्रॉनिक्स और रडार विकास प्रतिष्ठान (एलआरडीई), बेंगलुरु; डॉ जी अप्पा राव, रक्षा धातुकर्म अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएमआरएल), हैदराबाद तथा श्री दुर्गा प्रसाद, वैमानिकी विकास प्रतिष्ठान (एडीई) को असाधारण अनुसंधान की मान्यता में, डीएसएफ ने तीन वक्ताओं को पदक और प्रमाण पत्र से सम्मानित किया

इस वर्ष एनटीडी की थीम, 'स्कूल टु स्टार्टअप्स–इग्नाइटिंग यंग माइंड्स टु इनोवेट' डीआईए–सीओई, पीएचडी छात्रों, अनुसंधान विद्वानों और इंटर्न के माध्यम से स्टार्टअप्स को सशक्त बनाने के लिए स्कूल स्तर से ही नवाचार और उद्यमिता की भावना को पोषित करने की डीआरडीओ की सामूहिक दृष्टि के साथ गहराई से प्रतिध्वनित है।

डॉ कामत ने अपने संबोधन में युवाओं, इंजीनियरों, उद्यमियों, नवोदित वैज्ञानिकों के दिमाग को जगाने और उन्हें नवाचार करने और राष्ट्र के विकास में योगदान करने के लिए आवश्यक उपकरण और अवसर प्रदान करने पर जोर दिया।

"डीआरडीओ टेक्नोलोजी स्पेक्ट्रम", डीआरडीओ के वैज्ञानिकों द्वारा दिए गए व्याख्यानों का संकलन, इस अवसर के दौरान जारी किया गया। गणमान्य व्यक्तियों ने देबाशीष मुखर्जी द्वारा लिखित 'गैस टर्बाइन अनुप्रयोगों के लिए उच्च तापमान सामग्री' पर डीआरडीओ मोनोग्राफ और 'उन्नत सेमीकंडक्टर सामग्री प्रौद्योगिकी' पर टेक्नोलोजी फोकस के अप्रैल 2023 अंक को भी जारी किया।

डॉ सिंह ने डीआरडीओ द्वारा हासिल की गई उल्लेखनीय प्रगति और तकनीकी उत्कृष्टता के प्रति इसकी प्रतिबद्धता को देखकर प्रसन्नता व्यक्त की।

डॉ एन रंजना, सचिव, डीएसएफ एवं निदेशक, डीआईटी एंड सीएस ने अपने धन्यवाद प्रस्ताव में डीआरडीओ समुदाय

से राष्ट्र की बेहतरी के लिए नवाचार और अनुसंधान की सीमाओं को आगे बढ़ाने का आग्रह किया। डीआरडीओ मुख्यालय में एनटीडी उत्सव एक असाधारण अवसर था जिसने प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में डीआरडीओ की उल्लेखनीय उपलब्धियों को प्रदर्शित किया।

डीआरडीओ मुख्यालय में उत्सव के अलावा, निम्नलिखित प्रयोगशालाओं द्वारा भी अपने–अपने स्थानों पर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस–2023 का आयोजन किया गया।

एसीईएम, नासिक

ऊर्जावान सामग्री के लिए उन्नत केंद्र (एसीईएम), नासिक ने 11 मई 2023 को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस–2023 मनाया। इस कार्यक्रम में प्रो0 पद्मानाव आचार्य, एनआईटीआईई, मुंबई ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। श्री आरएस पाटिल, जेडी, एचआरडी ने सभा का स्वागत किया और इस दिन के महत्व पर प्रकाश डाला। श्री टीवी जगदीश्वर राव, वैज्ञानिक 'जी' और महाप्रबंधक, एसीईएम ने अपने संबोधन में एक राष्ट्र के विकास में प्रौद्योगिकी के महत्व पर जोर दिया और युवा वैज्ञानिकों को नवाचार करने और वैज्ञानिक दृढ़ता और उत्साह विकसित करने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर श्री आशुतोष शर्मा, वैज्ञानिक 'ई' द्वारा 'प्रॉपर्टीज एंड एजिंग कैरेक्टरिस्टिक्स ऑफ सॉलिड प्रोपेलेंट पर बर्न रेट मॉडिफायर्स का प्रभाव' और श्री दीपक चौहान, वैज्ञानिक 'सी' द्वारा 'प्रॉपेलेंट मिक्सिंग टेक्नोलॉजी' पर प्रौद्योगिकी दिवस की प्रस्तुतियाँ दी गईं।

प्रो0 आचार्य ने 'लॉजिस्टिक्स में प्रौद्योगिकी' पर मुख्य भाषण दिया। इस अवसर पर एसीईएम कर्मचारियों के लिए क्रॉसवर्ड जैसी विभिन्न प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया और विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

एआरडीई, पुणे

11 मई 2023 को आयुध अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान (एआरडीई), पुणे में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस–2023 मनाया गया। श्री ए राजू, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, ने सभा को संबोधित किया। उन्होंने डीआरडीओ में प्रौद्योगिकी के महत्व पर प्रकाश डाला और बताया कि कैसे रक्षा प्रौद्योगिकियों में आत्मनिर्भरता भारत को रक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ा सकती है। श्री राज कुमार, वैज्ञानिक 'जी' ने इस अवसर पर पोखरण–द्वितीय परीक्षण में काम करने के अपने व्यक्तिगत अनुभवों को साझा किया। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस व्याख्यान श्री अजीत बाबर, वैज्ञानिक 'ई' द्वारा 'आर्टिलरी गन्स के लिए हाइड्रो–न्यूमेटिक सिस्टम के डिजाइन और विकास' पर दिया गया था। डॉ एसआर नाइक, पूर्व जीडी, इसरो, मुख्य अतिथि थे। उन्होंने इसरो के कुछ महत्वपूर्ण अंतरिक्ष मिशनों पर भाषण दिया।

एएसएल, हैदराबाद

उन्नत प्रणाली प्रयोगशाला (एएसएल), हैदराबाद ने 22 मई 2023 को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस–2023 मनाया। एएसएल के विशिष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक डॉ एम राम मनोहर बाबू ने सभा को संबोधित किया और इस वर्ष राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस थीम 'स्कूल टू स्टार्टअप्सः इग्नाइटिंग यंग माइंड्स टू इनोवेट' के महत्व पर प्रकाश डाला। डॉ के तेजस्वी, वैज्ञानिक 'एफ' ने 'ईपीडीएम रबर का विकास और रबर लाइनिंग सुविधा की स्थापना' पर एनटीडी व्याख्यान दिया।

श्रीमती आर शीना रानी, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं सह निदेशक (एस) ने डॉ के तेजस्वी, वैज्ञानिक 'एफ' को टाइटेनियम पदक और प्रमाण पत्र प्रदान किया।

सीएबीएस, बेंगलुरु

सेंटर फॉर एयर बोर्न सिस्टम्स (सीएबीएस), बेंगलुरु ने 11 मई 2023 को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस–2023 मनाया। श्री मनदीप सिंह, वैज्ञानिक 'ई' द्वारा 'वायु–वाहित निगरानी अनुप्रयोगों के लिए समग्र सैंडविच के डिजाइन और विकास' पर एक व्याख्यान दिया गया। डॉ के राजलक्ष्मी मेनन, विशिष्ट वैज्ञानिक एव निदेशक, सीएबीएस ने उन्हें प्रमाण पत्र और पदक प्रदान किया।

डेबेल, बेंगलुरु

डिफेंस बायोइंजीनियरिंग एंड इलेक्ट्रोमेडिकल लेबोरेटरी (डेबेल), बेंगलुरु ने 11 मई 2023 को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस–2023 के 25वें वर्ष को बड़े उत्साह के साथ मनाया। डॉ टीएम कोट्रेश, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक डेबेल ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया और मुख्य अतिथि, पद्म श्री एएस किरण कुमार, पूर्व अध्यक्ष–इसरो, पूर्व सचिव–अंतरिक्ष विभाग और सदस्य, अंतरिक्ष आयोग, भारत सरकार का परिचय दिया।

अपने मुख्य भाषण के दौरान मुख्य अतिथि ने अंतरिक्ष अनुसंधान के बारे में कई घटनाओं का वर्णन किया और अपनी अंतर्दृष्टि साझा की। उन्होंने अपने व्याख्यान में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में प्रगति और इसकी शक्ति जैसे कई विषयों पर बात की।

इस वर्ष के राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस मेडल के प्राप्तकर्ता, डॉ आरजी रेवैय्या, वैज्ञानिक 'एफ' ने 'मिलिट्री एप्लिकेशन के लिए पी–एरामिड कोटेड फैब्रिक्स की खोज' पर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस–2023 व्याख्यान दिया।

इस अवसर पर, निदेशक, डेबेल ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस समारोह के महत्व और डेबेल की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला और उत्कृष्टता और आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए डेबेल के वैज्ञानिक समुदाय को प्रेरित किया। कार्यक्रम का आयोजन टीसीडी, डेबेल द्वारा किया गया था।

डेसीडॉक, दिल्ली

रक्षा वैज्ञानिक सूचना एवं प्रलेखन केंद्र (डेसिडॉक), दिल्ली ने 18 मई 2023 को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस–2023 मनाया। डॉ युसूफ अंसारी, वैज्ञानिक 'एफ' ने 'वेब एप्लीकेशन सिक्योरिटी थ्रेट्स एंड डिफेंस मैकेनिज्म' पर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस व्याख्यान दिया। उन्होंने विभिन्न खतरों और हमलों के बारे में बात की जो विशेष रूप से वेब अनुप्रयोगों के डिजाइन, विकास और तैनाती के दौरान सुरक्षा में सेंध लगा सकते हैं।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में डीटीयू के सहायक प्रोफेसर डॉ निपुन बंसल को आमंत्रित किया गया था। उन्होंने 'वेब एप्लीकेशन सिक्योरिटी थ्रेट्स एंड डिफेंस मैकेनिज्म' पर बात की।

डिपास, दिल्ली

डिफेंस इंस्टीट्यूट ऑफ फिजियोलॉजी एंड एलाइड साइंसेज (डिपास), दिल्ली ने 17 मई 2023 को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस–2023 मनाया और राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस व्याख्यान डॉ राजकुमार तुलसावानी, वैज्ञानिक 'ई' ने 'यूनीक इन सीटू फोटो–थर्मल स्टडी सिस्टम' का उपयोग करते हुए उच्च–ऊर्जा लेजर के जैव–प्रभाव' पर दिया। 532 एनएम और 1064 एनएम से लैस एक अद्वितीय उच्च ऊर्जा लेजर प्रणाली को जैविक सूक्ष्म पर्यावरण अर्थात इष्टतम आर्द्रता और तापमान की स्थिति के अंतर्गत कोशिकाओं और पूर्व–विवो ऊतक पर लेजर जैव–प्रभावों का अध्ययन करने के लिए डिजाइन और विकसित किया गया है। इस प्रणाली ने रियल टाइम माइक्रो–थर्मोग्राफी कैप्चर करने के लिए एफएलआईआर थर्मल कैमरा को सैंपल होल्डर से जोड़ दिया है। यह प्रणाली ऊतक–लेजर विकिरण की समझ सहित उच्च–ऊर्जा लेजर अनुसंधान के क्षेत्र में डिपास की क्षमता को बढ़ाएगी और उच्च–ऊर्जा लेजर (532 एनएम और 1064 एनएम) की सुरक्षा चिंताओं को दूर करने के लिए जैविक डेटा उत्पन्न करेगी।

डिपास के निदेशक डॉ राजीव वार्ष्णेय ने काम की सराहना की और उन्हें पदक और प्रमाण पत्र प्रदान किया।

डीएलआरएल, हैदराबाद

12 मई 2023 को डीएलआरएल में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस–2023 समारोह के रूप में विज्ञान और प्रौद्योगिकी (एसएंडटी) फोरम, रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएलआरएल), हैदराबाद के द्वारा डॉ अनुपम शर्मा, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं एसोसिएट डायरेक्टर, डीएसपी, हैदराबाद और श्री मेवा राम गुर्जर, वैज्ञानिक 'सी', डीवाईएसएल–एआई, बेंगलुरु के माध्यम से एक तकनीकी वार्ता का आयोजन किया।

आरम्भ में, श्रीमती लक्ष्मी, वैज्ञानिक 'एफ', अध्यक्ष ने एस एंड टी फोरम की गतिविधियों पर एक रिपोर्ट दी। डॉ शर्मा ने 'अंतरिक्ष युद्ध के लिए उन्नत प्रौद्योगिकी' पर बात की। उन्होंने अंतरिक्ष प्रौद्योगिकियों

और अंतरिक्ष ईडब्ल्यू पर उनके भविष्य के प्रभावों के बारे में बात की। श्री गुर्जर, वैज्ञानिक 'सी' ने 'ईडब्ल्यू सिस्टम्स में एआई/एमएल' पर बात की। उन्होंने एआई प्रौद्योगिकियों के बारे में बात की क्योंकि वे भाषण और भाषा अनुवाद में उपयोग की जाती हैं, ईडब्ल्यू में एआई का उपयोग और डीवाईएसएल–एआई में किए गए कार्यों के बारे में संक्षिप्त विवरण दिया। वार्ता के बाद प्रश्नोत्तर सत्र हुआ, और सदस्य सचिव, एस एंड टी फोरम द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

डीएमएसआरडीई, कानपुर

रक्षा सामग्री एवं भंडार अनुसंधान और विकास प्रतिष्ठान (डीएमएसआरडीई), कानपुर ने 12 मई 2023 को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस–2023 मनाया। विशेष अवसर को चिह्नित करने के लिए, श्री हरि बाबू श्रीवास्तव, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (टीएम) मुख्य अतिथि थे और श्री एम एच रहमान, निदेशक, डीआईए–सीओई, आईआईटी दिल्ली सम्मानित अतिथि थे। श्री कैलाश कुमार पाठक, निदेशक, डीएफटीएम आमंत्रित अतिथि थे। डॉ एसएम अब्बास, एसोसिएट डायरेक्टर, डीएमएसआरडीई ने स्वागत भाषण दिया। इसके बाद डॉ मयंक द्विवेदी, निदेशक, डीएमएसआरडीई, सम्मानित अतिथि और मुख्य अतिथि द्वारा संबोधित किया गया। अपने भाषण में सम्मानित अतिथि ने आत्मनिर्भरता प्राप्त करने के लिए प्रौद्योगिकी की भूमिका को समझने पर जोर दिया। उन्होंने डीआरडीओ से शिक्षा और उद्योग के साथ मिलकर काम करने का आग्रह किया। मुख्य अतिथि ने '2047 तक विकसित राष्ट्र' पर आरएंडडी और भारत सरकार की पहल में वैश्विक परिप्रेक्ष्य के बारे में बात की। श्रीमती प्रियंका कटियार, वैज्ञानिक 'ई', ने 'रक्षा सुरक्षा कपड़ों के लिए नवीन सामग्री और प्रौद्योगिकी' पर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस व्याख्यान दिया। मुख्य अतिथि ने श्रीमती प्रियंका कटियार को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस मेडल और प्रमाण पत्र प्रदान किया। इस अवसर पर डीएमएसआरडीई द्वारा विकसित उत्पादों और प्रौद्योगिकियों की एक ओपन डे प्रदर्शनी आयोजित की गई और विशिष्ट अतिथि द्वारा इसका उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम में कानपुर के 07 विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के 250 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया।

डीआरडीई, ग्वालियर

रक्षा अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान (डीआरडीई), ग्वालियर ने 11 मई 2023 को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस मनाया। इस अवसर पर, डॉ एएसबी भास्कर, वैज्ञानिक 'एफ' ने 'ड्रग डिस्कवरी एंड डिलीवरी टेक्नोलॉजीज में रुझान' पर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस व्याख्यान दिया। डॉ विकास बी ठाकरे, वैज्ञानिक 'जी' ने उन्हें राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस मेडल और प्रमाण पत्र प्रदान किया।

डीआरएल, तेजपुर

रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डीआरएल), तेजपुर ने 12 मई 2023 को बड़े उत्साह और जोश के साथ राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस–2023 मनाया। मेजर जनरल दिनेश हुड्डा, वीएसएम, सीओएस एचक्यु 4 कॉर्प्स ने इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम की शुरुआत डीआरएल के निदेशक डॉ देव व्रत कंबोज के स्वागत भाषण से हुई, जिन्होंने इस दिन के महत्व का बखूबी वर्णन किया। उन्होंने छात्रों को विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नए नवाचारों के लिए प्रेरित और प्रेरित होने के लिए प्रोत्साहित किया। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस–2023 'वैकल्पिक सल्फर फीडिंग रणनीतियों के माध्यम से पर्ल बाजरा के जैव–फोर्टिफिकेशन' पर डॉ अंकित द्वारा व्याख्यान प्रस्तुत किया गया था। उन्हें प्रशस्ति पत्र व मेडल देकर सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस–2023 के उपलक्ष्य में 10 मई 2023 को असम के सोनितपुर जिले के स्कूली छात्रों के बीच विज्ञान मॉडल और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रयोगशाला के वैज्ञानिकों द्वारा छात्रों को डीआरडीओ और डीआरएल की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी गई। मुख्य अतिथि ने भी सम्मानित सभा को संबोधित किया और छात्रों को अनुसंधान एवं विकास में करियर बनाने के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी में गहरी रुचि लेने के लिए प्रेरित किया। प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए।

इनमास, दिल्ली

डॉ मारिया एम डिसूजा, वैज्ञानिक 'एफ', ने 17 मई 2023 को 'सीइंग द अनसीनः मल्टीमॉडलिटी इमेजिंग ऑफ न्यूरो–प्लास्टिसिटी इन स्पाइनल ट्रॉमा'एट (आईएनएमएएस), दिल्ली पर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस व्याख्यान दिया। उन्होंने इस तथ्य पर प्रकाश डाला कि दीर्घकालिक विनाशकारी जटिलताओं के साथ, रीढ़ की हड्डी की चोट सैन्य और नागरिक आबादी में तेजी से प्रचलित समस्या बन रही थी। उन्होंने इमेजिंग की भूमिका पर प्रकाश डाला जो रीढ़ की हड्डी के स्तर पर परिवर्तनों के निदान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह मस्तिष्क में सूक्ष्म न्यूरोनल परिवर्तनों के साथ है, जो जल्दी ठीक होने के लिए सहायक या बाधक के रूप में योगदान दे सकता है। यहाँ मात्रात्मक मेट्रिक्स विकसित करने की आवश्यकता है जो चोट के लिए द्वितीयक कॉर्टिकल पुनर्गठन के स्तर को स्पष्ट करेगा, जिसका समग्र परिणाम और कार्यात्मक स्वतंत्रता के स्तर पर बड़ा प्रभाव पड़ता है। इस अवसर पर इनमास के निदेशक डॉ ए के मिश्रा ने इनमास की आंतरिक वार्षिक पत्रिका 'न्यूक्लियस' का बुलेटिन जारी किया। डॉ मिश्रा ने डॉ डिसूजा को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस टाइटेनियम मेडल और प्रमाण पत्र भी प्रदान किया।

आईटीएम, मसूरी

11 मई 2023 को इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी मैनेजमेंट (आईटीएम), मसूरी में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस 2023 मनाया गया। अपने उद्घाटन भाषण में श्री सुनील भंडारी, टीओ 'बी' ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के महत्व के बारे में बताया। डॉ एच एस गुसाईं ने 'एप्लीकेशन ऑफ इंटरप्रिटेटिव स्ट्रक्चरल मॉडलिंग इन डिफेंस एंड मैन्युफैक्चरिंगः ए रिव्यू' पर एक व्याख्यान दिया। श्रीमती अनीता मोहिंद्रा, वैज्ञानिक 'एफ' और कार्यवाहक निदेशक आईटीएम ने डॉ एचएस गुसाईं, वैज्ञानिक 'एफ' को पदक और प्रमाण पत्र से सम्मानित किया।

अपने संबोधन के दौरान कार्यवाहक निदेशक ने हमारे दैनिक जीवन में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने अत्याधुनिक तकनीक प्रदान करके और भारत को एक विकासशील देश से दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था में बदलने के द्वारा राष्ट्र निर्माण में डीआरडीओ द्वारा निभाई गई भूमिका पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हमारे दूरदर्शी नेताओं द्वारा किए गए प्रयासों के कारण भारत एस एंड टी में वैश्विक नेतृत्व की ओर बढ़ रहा है।

आईटीआर, चांदीपुर

आईटीआर, चांदीपुर ने 11 मई 2023 को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस–2023 मनाया। श्री एच के रथ, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, आईटीआर ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। अपने उद्घाटन भाषण में, उन्होंने आधुनिक जीवन में प्रौद्योगिकी के महत्व पर प्रकाश डाला और सभी वैज्ञानिकों, प्रौद्योगिकीविदों को अपने सामान्य कार्य के अलावा अपने दृष्टिकोण में अधिक रचनात्मक और अभिनव होने के लिए प्रोत्साहित किया। श्रीमती बी सुचरिता, एसोसिएट डायरेक्टर ने 'स्कूल टू स्टार्ट–अप्स इग्नाइटिंग यंग माइंड्स टू इनोवेट' विषय पर बात की। समारोह के दौरान डॉ प्रदीप्त रॉय, वैज्ञानिक 'एफ' द्वारा 'डीप लर्निंग–बेस्ड ट्रैकिंग इन इलेक्ट्रो ऑप्टिकल वीडियो सीक्वेंस टू डिस्क्रिमिनेट बर्ड्स फ्रॉम एयरक्राफ्ट्स' पेपर पर व्याख्यान दिया गया। वक्ता को डीआरडीओ प्रशस्ति प्रमाण पत्र, पदक और एक स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया गया।

इस कार्यक्रम को श्री पीएन पांडा, वैज्ञानिक 'एफ', एजीडी (एचआर) और उनकी टीम द्वारा आयोजित किया गया था।

वीआरडीई, अहमदनगर

वाहन अनुसंधान और विकास प्रतिष्ठान (वीआरडीई), अहमदनगर ने 12 मई 2023 को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस–2023 मनाया। डॉ विजय वी पटेल, उत्कृष्ट वैज्ञानिक , एडीए, बेंगलुरु ने मुख्य अतिथि के रूप में अध्यक्षता की। वीआरडीई के निदेशक श्री जी राममोहन राव ने अपने संबोधन में इस दिन के महत्व पर प्रकाश डाला। श्री वीवी जागीरधर, वैज्ञानिक 'एफ' ने 'विश्लेषणात्मक पदानुक्रम का उपयोग करते हुए परिवहन के मोड के लिए निर्णय लेना' पर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस व्याख्यान दिया। डॉ पटेल ने 'एलसीए उड़ान नियंत्रण, डिजाइन, विकास और परीक्षण' पर मुख्य भाषण दिया।

डिपास द्वारा पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के साथ समझौता ज्ञापन संपन्न

डिफेंस इंस्टीट्यूट ऑफ फिजियोलॉजी एंड एलाइड साइंसेज (डिपास), दिल्ली और पॉवर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, भारत सरकार के एक सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए, जो कि ट्रांसमिशन से संबंधित एक परियोजना के अंतर्गत राष्ट्रीय पावर ग्रिड को लद्दाख में सौर और हाइब्रिड प्रौद्योगिकियों के माध्यम से 500 गीगावाट बिजली के उत्पादन में सहयोग के लिए है। पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ने लेह, लद्दाख में अक्षय ऊर्जा पार्क से बिजली निकालने और पांग (15,500 फीट) से कैथल (हरियाणा) तक 500 गीगावाट ट्रांसमिशन लाइन बिछाने का विशाल कार्य किया है। इस परियोजना (जो लद्दाख में गैर–पारंपरिक ऊर्जा उत्पादन क्षमता का दोहन करने के लिए सरकार की एक पहल है) में उप–शून्य तापमान, कम–वायु घनत्व और उच्च–पवन वेग के बीच 4700 मीटर तक की ऊंचाई पर जनशक्ति की तैनाती शामिल होगी।

डिपास, जो देश में उच्च ऊंचाई वाले शरीर विज्ञान पर शोध करने में अग्रणी है, को अत्यधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में मनुष्यों के प्रवेश, उत्तरजीविता, जीविका और प्रदर्शन के लिए प्रौद्योगिकियों और समाधानों में दशकों का अनुभव है। डिपास द्वारा विकसित कई तकनीकों को अत्यधिक ऊंचाई वाले अभियानों के लिए भारतीय सेना और आईटीबीपी में शामिल किया गया है। यह समझौता ज्ञापन पांग की चरम जलवायु परिस्थितियों में जनशक्ति की तैनाती के लिए आवश्यक डीआरडीओ प्रौद्योगिकियों के साथ पावर ग्रिड कॉरपोरेशन को लैस करेगा। डीडी आर एंड डी के सचिव और डीआरडीओ के अध्यक्ष ने राष्ट्रीय हित में इस सहयोगी प्रयास की सराहना की और डिपास के माध्यम से नोडल प्रयोगशाला होने के नाते उच्च ऊंचाई पर जनशक्ति के रखरखाव और इष्टतम स्वास्थ्य के लिए सिस्टम स्थापित करने के लिए पावर ग्रिड को पूर्ण तकनीकी सहायता का वादा किया।

डॉ समीर वी कामत, सचिव डीडी आर एंड डी और अध्यक्ष, महानिदेशक (जीवन विज्ञान), निदेशक डिपास, निदेशक डीआईआईटीएम, एवं डीआरडीओ और पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

सीआरपीएफ को व्हैप 8X8 का अर्धसैनिक संस्करण सौंपना

केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) द्वारा व्हीकल रिसर्च एंड डेवलपमेंट एस्टेब्लिशमेंट (वीआरडीई), अहमदनगर को व्हील्ड आर्मर्ड प्लेटफॉर्म 8X8 के 06 नग पैरामिलिट्री वेरिएंट के विकास और आपूर्ति के लिए एक आदेश दिया गया था।

व्हैप 8X8 का अर्धसैनिक संस्करण विशेष रूप से अर्धसैनिक बलों की आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित किया गया है। वाहन का यह संस्करण बैलिस्टिक बख्तरबंद सुरक्षा और उन्नत ब्लास्ट सुरक्षा से सुसज्जित 8X8 पहिएदार विन्यास पर आधारित है। वाहन 600 एचपी इंजन और उभयचर क्षमता के साथ स्वचालित ट्रांसमिशन द्वारा संचालित है। एक विशेष रूप से विकसित लागत प्रभावी 7.62 मिमी आरसीडब्ल्यूएस को वाहन पर एकीकृत किया गया है।

वीआरडीई ने वाहन के डिजाइन और विकास को समय के भीतर पूरा किया और इसे उपयोगकर्ताओं के सामने प्रदर्शित किया। सफल निरीक्षण और स्वीकृति के बाद, 21 मार्च 2023 को आयोजित एक कार्यक्रम में वाहनों को सीआरपीएफ को सौंप दिया गया। सचिव डीडी आर एंड डी और अध्यक्ष डीआरडीओ, डॉ समीर वी कामत ने वर्चुअल रूप से कार्यक्रम की अध्यक्षता की। डॉ एसवी गाडे, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एसीई) ने वीआरडीई की ओर से इस कार्यक्रम की अध्यक्षता की। कार्यक्रम में आईजी (प्रावधान) श्री राजेश कुमार, आईपीएस सहित उनकी टीम भी मौजूद थी। अध्यक्ष डीआरडीओ ने डीआरडीओ मुख्यालय से व्हैप 8X8 के अर्धसैनिक संस्करण को वर्चुअली हरी झंडी दिखाई और सभी वाहनों को सीआरपीएफ को सौंप दिया गया।

श्री राजेश कुमार, आईपीएस, आईजी (प्रावधान) ने अपने भाषण में डीआरडीओ को उनकी आवश्यकता के अनुसार वाहन विकसित करने के लिए धन्यवाद दिया और भविष्य में भी इस तरह के सहयोग की इच्छा व्यक्त की।

डॉ एसवी गाडे, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एसीई) द्वारा हरी झंडी दिखाई गई

व्हैप 8X8 का अर्धसैनिक संस्करण

प्रौद्योगिकी परिषद की 6वीं बैठक

गृह मंत्रालय (एमएचए) और डीआरडीओ के बीच प्रौद्योगिकी परिषद की छठी बैठक 12 अप्रैल 2023 को डीआरडीओ भवन, नई दिल्ली में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (पीसी एंड एसआई) डॉ चंद्रिका कौशिक ने की। प्रौद्योगिकी परिषद के सभी सदस्य, एमएचए, इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी), असम राइफल्स, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ), केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ), केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), भारत–तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी), राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी), और सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ–साथ डीआरडीओ मुख्यालय और विभिन्न डीआरडीओ प्रयोगशालाओं के अधिकारियों ने बैठक में भाग लिया।

चर्चा के दौरान, अध्यक्ष ने बताया कि तीसरी सर्वोच्च परिषद की बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार, गृह मंत्रालय

ने सीएपीएफ में डीआरडीओ उत्पादों को शामिल करने के लिए एक सरल प्रक्रिया जारी की है और डीआरडीओ द्वारा विकसित उत्पादों को जीईएम पोर्टल पर अपलोड करने के लिए एक अलग श्रेणी बनाई गई है। अध्यक्ष ने नई प्रौद्योगिकी आवश्यकताओं की पहचान करने और उन्हें आगे ले जाने के लिए डीआरडीओ को सूचित करने के लिए उपयोगकर्ताओं की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला।

निदेशक डीएलआईसी, सदस्य सचिव, ने 1999 से 2022 तक अपने सकल मूल्य के साथ सुरक्षा बलों द्वारा शामिल डीआरडीओ–विकसित उत्पादों को प्रस्तुत किया।

बैठक के बाद डिस्प्ले हॉल, डीआरडीओ भवन में एलआईसी से संबंधित डीआरडीओ द्वारा विकसित 49 उत्पादों का प्रदर्शन किया गया, ताकि सभी सदस्यों और प्रतिभागियों को वास्तविक उपकरणों से परिचित कराया जा सके और साथ ही विभिन्न डीआरडीओ प्रयोगशालाओं और उद्योग भागीदारों के संबंधित वैज्ञानिकों के साथ तकनीकी बातचीत की जा सके।

डील में रक्षा संचार पर शिक्षा-उद्योग की बैठक

11–12 अप्रैल 2023 के दौरान आईईटीई, देहरादून केंद्र के सहयोग से रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स अनुप्रयोग प्रयोगशाला (डील), देहरादून में रक्षा संचार पर अकादमिक–उद्योग बैठक (एआईएम–डेफकॉम 2023) का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षा और उद्योग के साथ मजबूत संबंध बनाना और रक्षा संचार में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने के सामान्य लक्ष्य की दिशा में एक साथ काम करने के नए तरीके खोजना है। कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ बी के दास, डीजी (ईसीएस) ने किया। प्रो0 दुर्गेश पंत, महानिदेशक (यूसीओएसटी) इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि थे। श्री एल सी मंगल, निदेशक, डील ने प्रतिनिधियों का स्वागत किया और भविष्य की तकनीकों को रेखांकित किया जिसमें शिक्षा और उद्योगों को शामिल करते हुए एक सहक्रियाशील दृष्टिकोण अपनाया जा सकता है।

एआईएम–डेफकॉम 2023 में सहभागिता और सहयोग का पता लगाने और बातचीत करने के लिए 20 विभिन्न उद्योगों के प्रदर्शन थे। इसके अलावा, विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों और उद्योगों के लगभग 90 प्रतिनिधियों ने इस आयोजन में भाग लिया। इस कार्यक्रम में अकादमिक संस्थानों और उद्योग दोनों से वक्ताओं का एक प्रभावशाली लाइनअप था जिन्होंने अपने अनुभव और अंतर्दृष्टि साझा की।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस-2023 समारोह

कार्यालय महानिदेशक (ईसीएस), बेंगलुरु ने 17 अप्रैल 2023 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस–2023 मनाया। इस अवसर के दौरान, डॉ बी के दास, महानिदेशक (ईसीएस) मुख्य अतिथि थे और सुश्री संहिता कार, आईडीएएस (सेवानिवृत्त), सदस्य वित्त, ओएफबी आमंत्रित वक्ता थे।

अपने संबोधन के दौरान महानिदेशक (ईसीएस) ने सभी महिला कर्मचारियों को बधाई दी और ईसीएस क्लस्टर की परियोजनाओं और अन्य गतिविधियों में उनके बहुमूल्य योगदान की सराहना की।

सुश्री कार ने कामकाजी महिलाओं के लिए एक संतुलित जीवन बनाए रखने के लिए एक प्रेरक भाषण दिया और सुझाव साझा किए। माइक्रोवेव ट्यूब रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेंटर (एमटीआरडीसी), बेंगलुरु की सुश्री कविता के, जिन्हें सचिव, डीडीआर एंड डी, डीआरडीओ द्वारा डीएफआरएल, मैसूर में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस–2023 में 'वीमेन इन डिजिटल एरा टेक्नोलॉजी' शीर्षक वाली कविता के लिए सम्मानित किया गया था, को भी इस अवसर पर आमंत्रित किया गया था।। उन्होंने डीएफआरएल, मैसूर में आईडब्ल्यूडी–2023 में भाग लेने वाले डीजी (ईसीएस) कार्यालय से प्रतिनिधि कविता का पाठ किया और अपने अनुभव भी साझा किए।

एएसएल का 21वाँ वार्षिक दिवस समारोह

उन्नत प्रणाली प्रयोगशाला (एएसएल), हैदराबाद ने 16 अप्रैल 2023 को अपना 21वां वार्षिक दिवस मनाया। डॉ समीर वी कामत, सचिव, डीडीआर एंड डी एवं अध्यक्ष, डीआरडीओ; मुख्य अतिथि थे और डॉ बीएचवीएस नारायण मूर्ति, डीजी (एमएसएस) विशिष्ट अतिथि थे।

आयोजन समिति के अध्यक्ष एम राघवेंद्र राव ने अतिथियों का स्वागत किया। श्री नील दुबे, वैज्ञानिक 'एफ', निदेशक, प्रबंधन सेवाएं ने एएसएल की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। डॉ एम राम मनोहर बाबू, डीएस और निदेशक, एएसएल ने अपने संबोधन में विभिन्न उपलब्धियों, हासिल किए गए मील के पत्थर, चल रही कई परियोजना गतिविधियों की प्रगति के साथ–साथ आने वाले वर्षों के लिए प्रयोगशाला के लक्ष्यों पर प्रकाश डाला। डॉ मूर्ति ने एएसएल के सभी कर्मचारियों द्वारा किए गए समर्पित कार्यों की सराहना की और एएसएल की नई प्रौद्योगिकी परियोजनाओं पर प्रकाश डाला। डॉ कामत ने एएसएल बिरादरी को बधाई दी और देश को गौरवान्वित करने के लिए एएसएल द्वारा किए गए प्रभावी और कुशल कार्यों की सराहना की। 20, 25, 30 और 35 साल की सेवा पूरी करने वाले कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिन्ह भेंट किए गए। डॉ आई श्रीकांत, वैज्ञानिक 'एफ' ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा।

डॉ बीआर अंबेडकर और डॉ बाबू जगजीवन राम जयंती समारोह

रक्षा धातुकर्म अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएमआरएल), हैदराबाद ने 20 अप्रैल 2023 को भारत रत्न डॉ बीआर अंबेडकर की 132वीं जयंती और डॉ बाबू जगजीवन राम की 115वीं जयंती का आयोजन तम्हनकर सभागार में किया। डॉ आर बालामुरलीकृष्णन, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, डीएमआरएल को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था। प्रोफेसर ई सुधा रानी, निदेशक, जीआरसी आरएंडडी, डॉ बीआर अंबेडकर ओपन यूनिवर्सिटी, हैदराबाद को सम्मानित अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था, और डॉ एन सिद्दोजी राव, संयोजक, आईएएस/आईपीएस ऑफिसर्स फोरम विशेष आमंत्रित थे। डीएमआरएल के एससी/एसटी वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री बी राम बाबू ने समारोह की अध्यक्षता की। एसोसिएशन के महासचिव श्री विक्रांत जे तकसंडे ने सभा का स्वागत किया।

डॉ वेंकट, वैज्ञानिक 'एफ' और संपर्क अधिकारी ने सभा को संबोधित किया और भारतीय समाज में सामाजिक न्याय, आर्थिक और राजनीतिक सशक्तिकरण लाने के लिए उनके द्वारा किए गए संवैधानिक प्रावधानों पर विशेष जोर देने के साथ डॉ बी आर अम्बेडकर के महत्वपूर्ण योगदान पर प्रकाश डाला। डॉ बालामुरलीकृष्णन ने अपने संबोधन में डॉ अंबेडकर के जीवन के विभिन्न पहलुओं को सामने रखा जिसमें कई कठिनाइयों के बावजूद उनकी अकादमिक उपलब्धियां शामिल थीं। डॉ राव ने कहा कि बाबासाहेब का अर्थ है ऊर्जा, आत्मविश्वास और हर स्रोत से सीखने वाला। प्रो0 सुधा रानी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि बाबासाहेब अम्बेडकर ज्ञान के प्रतीक और प्रेरणा के प्रतीक थे।

डेबेल में पुस्तक प्रदर्शनी

डिफेंस बायोइंजीनियरिंग एंड इलेक्ट्रोमेडिकल लेबोरेटरी (डीईबीईएल), बेंगलुरु के तकनीकी सूचना केंद्र (टीआईसी) ने 25–28 अप्रैल 2023 के दौरान एक पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ टीएम कोट्रेश, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, डीईबीईएल ने किया। एयरोस्पेस और एविएशन मेडिसिन, मेक्ट्रोनिक्स, टेक्सटाइल, नैनो टेक्नोलॉजी, कंपोजिट मैटेरियल्स, बायोसेंसर, एमईएमएस, एम्बेडेड इलेक्ट्रॉनिक्स, बायोमेडिकल सिग्नल प्रोसेसिंग, अंडरवाटर टेक्नोलॉजी, एनबीसी आदि को कवर करते हुए लगभग 2200 पुस्तकें प्रदर्शित की गईं। प्रदर्शनी को जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली, और लगभग 226 पुस्तकों को आगंतुकों से संस्तुति प्राप्त हुई।

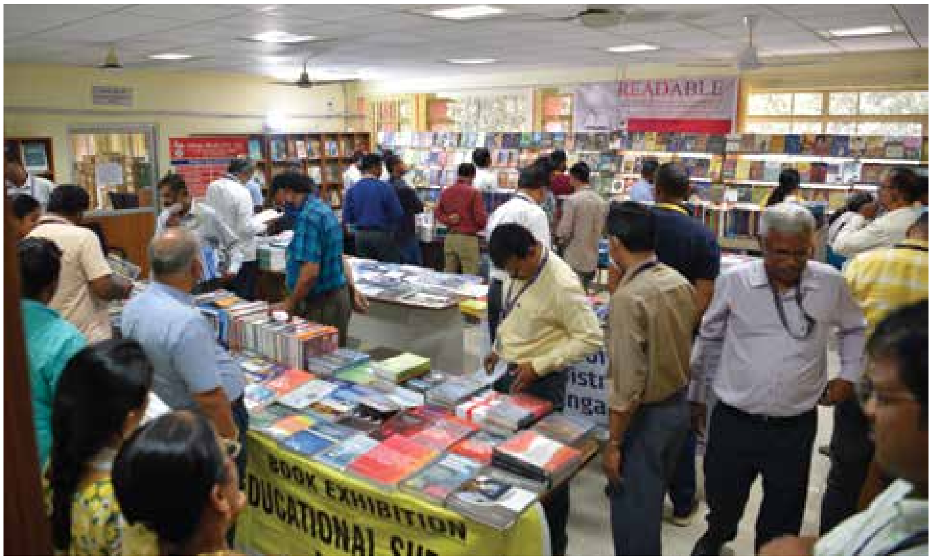

सैन्य प्लेटफार्मों के लिए मानव कारक इंजीनियरिंग पर उपयोगकर्ता-सहभागिता कार्यशाला

15–16 मार्च 2023 के दौरान डीआरडीओ भवन, नई दिल्ली में डिफेंस इंस्टीट्यूट ऑफ फिजियोलॉजी एंड एलाइड साइंसेज (डिपास), दिल्ली द्वारा सैन्य प्लेटफार्मों के लिए मानव कारक इंजीनियरिंग पर दो दिवसीय उपयोगकर्ता–संवादात्मक कार्यशाला का आयोजन किया गया था। कार्यशाला ने स्वदेशी उत्पादों के उत्पाद जीवन चक्र में मानव–कारक इंजीनियरिंग के कार्यान्वयन के लिए आवश्यकता और भविष्य के रोडमैप को संबोधित किया। डिपास के निदेशक डॉ राजीव वार्ष्णेय ने कार्यशाला का अवलोकन किया। सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने डीडी आर एंड डी के सचिव एवं डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ समीर वी कामत की उपस्थिति में कार्यशाला का उद्‌घाटन किया। समापन सत्र के दौरान, आरएम के एसए डॉ जी सतीश रेड्डी की अध्यक्षता में एक पैनल चर्चा हुई। डॉ कामत; लेफ्टिनेंट जनरल करणबीर सिंह बराड़, डीजी आर्मर्ड कॉर्प्स, श्री अनीश दयाल, डीजी आईटीबीपी; डॉ यूके सिंह, डीजी (एलएस); एडीजी इन्फैंट्री; एडीजी आर्मी डिजाइन ब्यूरो (एडीबी); एडीजी युद्धपोत डिजाइन ब्यूरो; डीआरडीओ के महानिदेशक और टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड (टीएएसएल), लार्सन एंड टुब्रो, एमकेयू; हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल), मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड और हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड (एचएसएल) के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

संरक्षित कृषि प्रौद्योगिकी पर प्रशिक्षण

20 अप्रैल 2023 को तवांग के उच्च ऊंचाई वाले क्षेत्रों में उपयोगकर्ताओं के स्थानों पर स्थापित डीआरडीओ ग्रीनहाउस में व्यावहारिक प्रशिक्षण–सह–प्रदर्शन आयोजित किए गए। प्रशिक्षण का उद्देश्य पोषक विदेशी सब्जियों के वर्ष भर उत्पादन के लिए इस ग्रीनहाउस प्रभाव–आधारित संरक्षित संरचनाओं का उपयोग करना है। हाइपोक्सिक वातावरण में उच्च एंटीऑक्सिडेंट आवश्यकता के संदर्भ में विदेशी सब्जियों के महत्व के साथ–साथ ग्रीनहाउस के कार्य सिद्धांत, विशेष रूप से भारी काम में लगे सैनिकों के लिए और उच्च ऊंचाई पर तनाव को दूर करने

१०,८०० फीट की ऊंचाई पर पाक चोई और चीनी गोभी के पौधों का वितरण और रोपण (११ जैक ईंजिनियर्स, चुजे)

के लिए बागवानी चिकित्सा के रूप में डॉ अंकित, वैज्ञानिक, रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डीआरएल), तेजपुर द्वारा साइट पर समझाया गया था। तवांग की 10,800 फीट और 12,200 फीट की ऊंचाई पर सैनिकों की आवर्ती इकाइयों को परिचित कराने के लिए भूमि की तैयारी, वर्मीकम्पोस्ट और पर्ण स्प्रे आवेदन की विधि, और चीनी गोभी (पाक चोई और पे त्साई) की नाजुक मिट्टी रहित नर्सरी की रोपण तकनीक का प्रदर्शन वरिष्ठ तकनीकी सहायक श्री गौरव सिंह धाकड़, श्री परशुराम लमानी और श्री एच वर्धन किया गया। प्रशिक्षण कुल 25 सैनिकों (14 नग 10,800 फीट पर जबकि 11 नग 12,200 फीट पर) को दिया गया था, जहां प्रत्येक ग्रीनहाउस को उच्च गुणवत्ता वाली मिट्टी रहित नर्सरी (396 नग), एनपीके (20:20:20) उर्वरक (2 किग्रा) और वर्मीकम्पोस्ट (10 किग्रा) प्रदान की गई थी।

क्षितिज-ईसीएस क्लस्टर के परियोजना निदेशकों का सम्मेलन

क्षितिज–इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन सिस्टम्स (ईसीएस) क्लस्टर के प्रोजेक्ट डायरेक्टर्स के लिए सम्मेलन का आयोजन 28–29 अप्रैल 2023 के दौरान आईआरडीई, देहरादून में कार्यालय महानिदेशक (ईसीएस) और इंस्ट्रूमेंट रिसर्च एंड डेवलपमेंट एस्टैब्लिशमेंट (आईआरडीई), देहरादून द्वारा संयुक्त रूप से किया गया था।

सम्मेलन का उद्घाटन डीजी (ईसीएस) द्वारा ईसीएस क्लस्टर प्रयोगशाला निदेशकों, केंद्र प्रमुखों, निदेशक योजना एवं समन्वय, डीआरडीओ मुख्यालय, सीई, सीईएमआईएलएसी, निदेशक, पीएम और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में किया गया। निदेशक, पीएम ने अपने स्वागत भाषण में सभी गणमान्य व्यक्तियों और आमंत्रितों का स्वागत किया और सम्मेलन का रोडमैप प्रस्तुत किया जिसमें 4 तकनीकी और एक–उपयोगकर्ता सत्र शामिल थे, इसके बाद परियोजना निदेशकों के साथ पैनल चर्चा और डीजी (ईसीएस) का ओपन हाउस था।

अपने संबोधन के दौरान, महानिदेशक (ईसीएस) ने उद्योग और शिक्षा जगत की सक्रिय भागीदारी की आवश्यकता पर जोर दिया और प्रयोगशालाओं से अगली पीढ़ी की प्रौद्योगिकियों पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया। उन्होंने वैज्ञानिकों से उनके पढ़ने और सीखने की क्षमताओं को बढ़ाने का आग्रह किया।

इस मील के पत्थर की घटना को चिह्नित करने के लिए, एक पीडी संग्रह, ईसीएस क्लस्टर प्रयोगशालाओं की उन्नीस परियोजनाओं के लेखन का एक संकलन जारी किया गया था ताकि परियोजना निदेशकों द्वारा सफल परियोजना निष्पादन के लिए जागरूकता पैदा करने और सीखने के लिए कुछ सर्वोत्तम प्रथाओं का पालन किया जा सके।

इनमास में जीवन शैली संबंधी विकारों पर पाठ्यक्रम

2–4 मई 2023 के दौरान इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूक्लियर मेडिसिन एंड एलाइड साइंसेज (इनमास), दिल्ली में 'लाइफस्टाइल डिसऑर्डरः रोकथाम और नियंत्रण के उपाय' नामक शीर्षक पर तीन दिवसीय सतत शिक्षा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पाठ्यक्रम का उद्घाटन डॉ यूके सिंह, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (जीव विज्ञान) डीआरडीओ मुख्यालय, और डॉ अनिल कुमार मिश्रा, निदेशक इनमास द्वारा किया गया था। डॉ रत्नेश सिंह कंवर, वैज्ञानिक 'एफ' पाठ्यक्रम निदेशक थे और डॉ रीना विल्फ्रेड, वैज्ञानिक 'एफ' उप–पाठ्यक्रम निदेशक थीं।

पाठ्यक्रम में रोकथाम और नियंत्रण पर ध्यान देने के साथ जीवनशैली विकारों के बारे में व्यापक जानकारी प्रदान की गयी। चूंकि कोविड–19 महामारी ने सभी उभरते संक्रमणों को रोकने और नियंत्रित करने के लिए एक स्वस्थ जीवन शैली को बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया था, यह सीईपी डीआरडीओ कर्मचारियों को स्वस्थ जीवन शैली के पैटर्न को अपनाकर समग्र स्वास्थ्य प्राप्त करने के

प्रति संवेदनशील और शिक्षित करने का एक प्रयास था। आमतौर पर गैर–संचारी रोगों (एनसीडी) के रूप में जाने जाने वाले जीवन शैली संबंधी विकारों में विविध नैदानिक अभिव्यक्तियाँ और कई अंतर्निहित जोखिम कारक होते हैं।

क्षेत्र में सहकर्मी द्वारा व्याख्यान के अलावा, बुनियादी जीवन समर्थन और कार्डियो–स्वसन पुनर्वसन पर एक व्यावहारिक व्यावहारिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया। प्रमुख जीवन शैली संबंधी विकारों को कवर करने के अलावा, महिलाओं के स्वास्थ्य के मुद्दों और कार्य–जीवन संतुलन को कवर करने वाले सत्र भी थे। पाठ्यक्रम में डीआरडीओ मुख्यालय के विभिन्न निदेशालयों और विभिन्न प्रयोगशालाओं/प्रतिष्ठानों से 49 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

डीआरएल में बागवानी और हाइड्रोपोनिक्स इवेंट

डिफेंस रिसर्च लेबोरेटरी (डीआरएल), तेजपुर ने 17 मई 2023 को समर कैंप के हिस्से के रूप में बागवानी और हाइड्रोपोनिक्स इवेंट आयोजित करने के लिए एएससी बीएन (एमटी), 4 कॉर्प्स की मेजबानी की। आर्मी पब्लिक स्कूल से 10 से 17 वर्ष आयु वर्ग के कुल 20 छात्र और 10 महिला अधिकारियों और 2 सेवा कर्मियों ने स्मार्ट कृषि प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र प्रदर्शन के कार्यक्रम में भाग लिया और उन्हें डॉ अंकित, वैज्ञानिक, डीआरएल द्वारा मिट्टी रहित खेती और हाइड्रोपोनिक्स के रूप में मिट्टी के बिना उगाई जाने वाली फसलों के उपकरणों और तकनीकों के बारे में जानकारी दी गई। कोकोपिट, पेर्लाइट और वर्मीक्यूलाइट जैसे मिट्टी रहित मीडिया पर व्यापक प्रदर्शनय प्रतिभागियों के लिए मिट्टी रहित नर्सरी उगाने की तकनीक में पाक छोई और ग्रो बैग में लेट्यूस, हुक पॉट और वर्टिकल फार्मिंग स्टैंड आदि जैसी विदेशी सब्जियों की खेती की गई। छात्रों को कृषि के स्मार्ट वैकल्पिक रूपों के साथ

युवा दिमाग को परिचित करने के लिए हाइड्रोपोनिक्स इकाई की स्थापना, कार्य और उपयोग को प्रदर्शित करने वाले एक अद्वितीय, व्यावहारिक अनुभव के माध्यम से विस्तृत किया गया था।

छात्रों में रुचि और जागरूकता बढ़ाने के लिए, मिट्टी रहित खेती में फसल प्रबंधन के मूल विचार को लागू करने के लिए कोकोपीट और पानी आधारित खेती तकनीकों की व्यावसायिक व्यवहार्यता और कार्यप्रणाली पर एक प्रश्न–उत्तर सत्र आयोजित किया गया था। प्रतिभागियों ने डीआरएल चित्रमंडप (प्रदर्शनी हॉल) का भी दौरा किया, जहां तकनीकी अधिकारी डॉ बोधादित्य दास ने सशस्त्र बलों के कल्याण के लिए तेजपुर और इसके सालारी (पश्चिम कामेंग) और चांगबु (तवांग) अरुणाचल प्रदेश में डीआरएल की चल रही अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों के बारे में जानकारी दी।

एलआरडीई में ज्वाइंट-इंडस्ट्री पार्टनर की बैठक

मध्यम शक्ति रडार (एमपीआर) परियोजना को भारतीय वायु सेना (आईएएफ) की संचालन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए नवंबर 2008 में इलेक्ट्रॉनिक्स और रडार विकास प्रतिष्ठान (एलआरडीई), बेंगलुरु को मंजूरी दी गई थी। रडार को 2015 में महसूस किया गया था और बाद में विभिन्न आईएएफ साइटों पर उपयोगकर्ता परीक्षण किया गया और 2017 में परीक्षण पूरा किया गया। एलआरडीइ ने वर्ष 2019 में एमपीआर के लिए उत्पादन एजेंसी के रूप में मैसर्स बीईएल, जीएडी के साथ समझौता ज्ञापन की पहचान की और हस्ताक्षर किए। इसके बाद, 23 मार्च 2023 को, आईएएफ ने 8 एमपीआर राडार के लिए मैसर्स बीईएल, जीएडी को प्रोडक्शन ऑर्डर दिया। इस संबंध में, 19 अप्रैल 2023 को एलआरडीई, प्रोडक्शन पार्टनर मैसर्स बीईएल और एमपीआर के विभिन्न विकास भागीदारों के बीच एक त्रिपक्षीय बैठक हुई। डॉ पी राधाकृष्ण, ओएस और निदेशक, एलआरडीई ने बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में एलआरडीई के वरिष्ठ अधिकारी, एलआरडीई की एमपीआर टीम और श्री विनय कुमार गुप्ता, सीनियर एजीएम, बीईएल, जीएडी और विभिन्न विकास भागीदार उपस्थित थे।

स्थिति निगरानी पर सम्मेलन

27–28 अप्रैल 2023 के दौरान कंडीशन मॉनिटरिंग सोसाइटी (सीएमएसआई) के सहयोग से नेवल साइंस एंड टेक्नोलॉजिकल लेबोरेटरी (एनएसटीएल), विशाखापत्तनम द्वारा स्थिति निगरानी पर राष्ट्रीय सम्मेलन (एनसीसीएम–2023) का आयोजन किया गया था। सम्मेलन का उद्घाटन डॉ समीर वी कामत, सचिव, डीडी आर एंड डी और अध्यक्ष, डीआरडीओ ने किया था।। उन्होंने कामना की कि प्रख्यात विद्वान और व्यवसायी हालिया तकनीकी प्रगति के अनुसार सम्मेलन की निगरानी विकसित करने के लिए रोडमैप तैयार करें।

श्री एम जेड सिद्दीकी, डीजी (एनएस एंड एम) विशिष्ट अतिथि थे। अपने संबोधन में उन्होंने उद्योग–4.0 का लाभ उठाने और उपकरणों के प्रभावी रख रखाव की आवश्यकता पर बल दिया।

निदेशक, एनएसटीएल ने रक्षा के साथ–साथ नागरिक क्षेत्रों में प्रणालियों के प्रभावी रखरखाव की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने उल्लेख किया कि एनएसटीएल 1990 के दशक से इस क्षेत्र में अग्रणी रहा है और पूरे राष्ट्र में इस क्षेत्र के बारे में जागरूकता फैलाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इस अवसर पर बोलते हुए, रियर एडमिरल संजय साधु, एडमिरल सुपरिंटेंडेंट, नेवल डॉकयार्ड (वी) ने बताया कि भारतीय नौसेना ने लंबे समय से शिपबोर्ड की संपत्ति की स्थिति की निगरानी को अपनाया और इसे हासिल करने में एनएसटीएल की शानदार भूमिका की सराहना की।

नवनियुक्त निदेशकों के लिए 'व्यास' पर पाठ्यक्रम

27–29 अप्रैल 2023 के दौरान प्रौद्योगिकी प्रबंधन संस्थान (आईटीएम), मसूरी में मानव संसाधन विकास निदेशालय (डीएचआरडी) द्वारा नवनियुक्त निदेशकों के लिए अपने प्रशासनिक कौशल का विस्तार करने वाला एक कोर्स (डब्ल्यूवाईएएस) आयोजित किया गया था। निदेशक/कार्यक्रम निदेशक/महाप्रबंधक/ विभिन्न डीआरडीओ प्रयोगशालाओं/प्रतिष्ठानों के कुल बीस केंद्र प्रमुखों ने पाठ्यक्रम में भाग लिया। पाठ्यक्रम का उद्देश्य सामरिक और परिचालन स्तर पर नई तकनीकी और मानव संसाधन चुनौतियों से निपटने के लिए नेतृत्व क्षमताओं को बढ़ाना और संगठन को अपनी दृष्टि की प्राप्ति की दिशा में नेतृत्व करने के लिए नेतृत्व बैंडविड्थ बनाना था। पाठ्यक्रम के दौरान, डीआरडीओ और शिक्षा जगत के कई प्रतिष्ठित वक्ताओं द्वारा विभिन्न विषयों पर प्रोजेक्ट केस स्टडी और विशेषज्ञ व्याख्यान दिए गए।

डॉ समीर वी कामत, सचिव डीडी (आर एंड डी) और अध्यक्ष डीआरडीओ ने प्रतिभागियों के साथ आभासी बातचीत की। पाठ्यक्रम में भाग लेने वाले सभी प्रतिनिधियों ने इसकी सराहना की।

मध्य स्तरीय नेतृत्व विकास कार्यक्रम

डिफेंस इंस्टीट्यूट ऑफ साइकोलॉजिकल रिसर्च (डीआईपीआर), दिल्ली ने 19–21 अप्रैल 2023 के दौरान वैमानिकी विकास प्रतिष्ठान (एडीई), बेंगलुरु में एडीई के वैज्ञानिक 'एफ' के लिए तीन दिवसीय मध्य स्तरीय नेतृत्व विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम (प्रगति) की श्रृंखला का आयोजन किया। इससे पहले देहरादून में वैज्ञानिक 'एफ' के लिए इसी तरह का प्रशिक्षण आयोजित किया गया था।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य किसी की ताकत और कमजोरियों, पारस्परिक कौशल, नेतृत्व कौशल, संघर्षों को समझना, माइंडफुलनेस प्रशिक्षण के माध्यम से सकारात्मक भावनाओं को बढ़ाना, प्रभावी संचार के लिए रणनीति, निर्णय लेने और समूह की गतिशीलता में अंतर्दृष्टि विकसित करने के लिए जागरूकता लाना था।

डॉ आरके सोखी, वैज्ञानिक 'जी', प्रभाग प्रमुख, डीआईपीआर और प्रशिक्षण कार्यक्रम के निदेशक की टीम में शामिल डॉ अरी सुदन तिवारी, वैज्ञानिक 'एफ', डॉ संध्या वर्मा, वैज्ञानिक 'ई', डॉ निति शर्मा, वैज्ञानिक 'ई', डॉ राजेश त्रिपाठी, वैज्ञानिक 'ई' और डॉ हर्षिता, वैज्ञानिक 'सी' के द्वारा कक्षा व्याख्यान के अलावा अनुभवात्मक गतिविधियों और समूह अभ्यास के माध्यम से सीखने को प्रभावी बनाया गया था। भाग लेने वाले वैज्ञानिकों और संबंधित प्रयोगशाला निदेशकों द्वारा प्रशिक्षण की अत्यधिक सराहना की गई।

पुरस्कार और मान्यताएँ

तेलंगाना एकेडमी ऑफ साइंसेज ऑनर

डॉ जी अप्पा राव, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं सह निदेशक, डिफेंस मेटलर्जिकल रिसर्च लेबोरेटरी (डीएमआरएल), हैदराबाद को वर्ष 2021 से तेलंगाना एकेडमी ऑफ साइंसेज (टीएएस) के फेलो के रूप में चुना गया है।

यह सम्मान पाउडर धातु विज्ञान के क्षेत्र में उनके महत्वपूर्ण योगदान और विभिन्न अनुप्रयोगों के लिए उन्नत विनिर्माण प्रौद्योगिकियों की स्थापना के लिए दिया गया है।

आईईटीई – लाल सी वर्मन अवार्ड– 2022

श्री वी आर प्रकाश बाबू, वैज्ञानिक 'एफ', इलेक्ट्रॉनिक्स और रडार विकास प्रतिष्ठान (एलआरडीई) स्थापना के भीतर उच्च गुणवत्ता और विश्वसनीय राडार के निर्माण के लिए गुणवत्ता आश्वासन और गुणवत्ता नियंत्रण प्रक्रिया के मानकीकरण में उनके असाधारण योगदान के लिए एलआरडीई से 'आईईटीई–लाल सी वर्मन अवार्ड–2022' के पहले प्राप्तकर्ता बन गए हैं। उन्होंने 8 अप्रैल 2022 को एनआईईएलआईटी, इम्फाल में मणिपुर के मुख्यमंत्री और आईईटीई अध्यक्ष से यह प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त किया।

ईएमयू (आर एंड डी), हैदराबाद ने गार्डन फेस्टिवल में 33 पुरस्कार प्राप्त किये

तेलंगाना सरकार, बागवानी विभाग ने 10–20 जनवरी 2023 के दौरान 7वां गार्डन फेस्टिवल और पहला अर्बन फार्मिंग फेस्टिवल 2023 आयोजित किया। ईएमयू (आर एंड डी), हैदराबाद ने अपनी विभिन्न हरित पहलों के लिए 33 पुरस्कार प्राप्त किए। इनमें से 17 प्रथम पुरस्कार थे, और शेष 16 द्वितीय पुरस्कार थे।

ईएमयू (आर एंड डी), हैदराबाद को रक्षा श्रेणी में विशेष जूरी पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया। ये पुरस्कार 15 अप्रैल 2023 को तेलंगाना के बागवानी विभाग द्वारा सार्वजनिक उद्यान, नामपल्ली के केंद्रीय लॉन में आयोजित पुरस्कार समारोह के दौरान प्रदान किए गए।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्री एस निरंजन रेड्डी गारू, माननीय कृषि और बागवानी मंत्री और सम्मानित अतिथि, डॉ पल्ला राजेश्वर रेड्डी गारू, एमएलसी और तेलंगाना रायथु बंधु समिति के अध्यक्ष शामिल थे। डॉ शेख गौस मोहिद्दीन अतिरिक्त सीसीई एवं संपदा प्रबंधक ने पुरस्कार प्राप्त किए।

मुख्य अतिथि ने आर्बोरकल्चर टीम की उनके लगातार प्रयासों के लिए सराहना की, जिसके परिणामस्वरूप बड़ी संख्या में पुरस्कार प्राप्त हुए हैं।

एनपीओएल में 'अभय' और 'मारीच' परियोजना टीमों का सम्मान

श्री एम जेड सिद्दीकी, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एनएस एंड एम) ने 17 अप्रैल 2023 को भारतीय नौसेना द्वारा मारीच और अभय नामक दो सोनार प्रणालियों को सफलतापूर्वक प्रवेश दिए जाने के अवसर पर नौसेना भौतिक और समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एनपीओएल), कोच्चि की परियोजना टीम को सम्मानित किया।

श्री सिद्दीकी ने राष्ट्रीय सेवा के लिए स्वदेशी सोनार प्रणाली को शामिल करने के लिए एनपीओएल टीम के प्रयासों की सराहना की।

इस अवसर पर डॉ चंद्रिका कौशिक, वैज्ञानिक 'एच' एवं महानिदेशक (पीसी एंड एसआई) भी उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि ये उत्पाद 'आत्मनिर्भर भारत' और भारत की 'मेक इन इंडिया' प्रतिबद्धता को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ावा देंगे। डॉ अजित कुमार के, वैज्ञानिक 'जी' एवं निदेशक एनपीओएल ने परियोजना को साकार करने के लिए परियोजना टीम के सदस्यों को बधाई दी और सोनार प्रणालियों को सीखने और उत्पादन करने में भारतीय उद्योग द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की।

'मारीच' एनपीओएल और नेवल साइंस एंड टेक्नोलॉजिकल लेबोरेटरी (एनएसटीएल), विशाखापत्तनम द्वारा विकसित एक उन्नत टारपीडो रक्षा प्रणाली (एटीडीएस) है। यह प्रणाली एक आने वाले टारपीडो का पता लगाने और उसका पता लगाने और हमलों के खिलाफ नौसेना प्लेटफॉर्म की सुरक्षा के लिए जवाबी उपाय लागू करने के लिए एक पूर्ण समाधान प्रदान करती है।

'अभय' एक उन्नत सक्रिय–सह–निष्क्रिय सोनार प्रणाली है जिसे भारत में तटीय निगरानी/गश्ती जहाजों के लिए एनपीओएल द्वारा स्वदेशी रूप से डिजाइन और विकसित किया गया है।

भारतीय नौसेना ने गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड (जीआरएसई), कोलकाता और कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (सीएसएल), कोच्चि द्वारा सोलह शैलो वाटर क्राफ्ट्स के लिए सोनार अभय को हल माउंटेड सोनार के रूप में नामित किया है।

इस अवसर पर, बीईएल के अतिरिक्त महाप्रबंधक, श्री चेजियन ने डिजाइन और विकास चरण के दौरान एनपीओएल के निरंतर समर्थन के लिए एनपीओएल की सराहना की और धन्यवाद दिया। अपने संबोधन के दौरान, एलएंडटी डिफेंस के महाप्रबंधक श्री सतीश भारतन ने रिकॉर्ड समय में एनपीओएल से डिजाइन इनपुट को शामिल करते हुए डिजाइन प्राप्ति के प्रयासों पर प्रकाश डाला। श्री हेमचंद्रन, एजीएम, केलट्रॉन ने डीआरडीओ के स्वदेशीकरण के प्रयासों और उप–प्रणालियों को साकार करने में अटूट समर्थन की सराहना की।

डॉ के अजीत कुमार और श्री पी बालकृष्णन, वैज्ञानिक 'जी' और परियोजना निदेशक (अभय) ने अपने–अपने संबोधन में प्रणाली को साकार करने में डीआरडीओ मुख्यालय, रक्षा मंत्रालय और उद्योग भागीदारों के सहयोग पर प्रकाश डाला। उन्होंने सिस्टम की विशेषताओं और कार्यात्मकताओं और परियोजनाओं की समय–सीमा का उल्लेख किया।

अंतर्राष्ट्रीय संगठन की मान्यता

अंतर्राष्ट्रीय टोइंग टैंक सम्मेलन (आईटीटीसी) दुनिया भर के संगठनों का एक संघ है जो भौतिक और संख्यात्मक प्रयोगों के परिणामों के आधार पर जहाजों और समुद्री प्रतिष्ठानों के हाइड्रोडायनामिक प्रदर्शन की भविष्यवाणी के लिए जिम्मेदार है। इस प्रमुख अंतरराष्ट्रीय निकाय ने नौसेना विज्ञान और तकनीकी प्रयोगशाला (एनएसटीएल), विशाखापत्तनम के मानव संसाधन निदेशालय की सभी चार परीक्षण सुविधाओं नामतः हाई–स्पीड टोइंग टैंक, सीकीपिंग और मैन्युवरिंग बेसिन, विंड टनल और कैविटेशन टनल को स्थायी सदस्यता प्रदान की है। ये सुविधाएं अब आधिकारिक तौर पर आईटीटीसी की वेबसाइट (www.ittc.info) पर सूचीबद्ध हैं। इसके साथ, एनएसटीएल की हाइड्रोडायनामिक सुविधाएं अब दुनिया भर में ऐसी मौजूदा विशिष्ट और प्रतिष्ठित

सुविधाओं के विश्व मानचित्र पर उपलब्ध हैं। कोई भी वैश्विक वाणिज्यिक/सैन्य जहाज निर्माण एजेंसी, समुद्री डिजाइन हाउस आदि अब मॉडल परीक्षण आवश्यकताओं के लिए एनएसटीएल से संपर्क कर सकते हैं।

उच्च योग्यता अर्जना

वाहन अनुसंधान और विकास प्रतिष्ठान (वीआरडीई), अहमदनगर के श्री पीके वर्मा, वैज्ञानिक 'ई' को उनकी थीसिस 'फैब्रिकेशन एंड एनीलिंग ऑफ TiB/Ti-6Al-4V कम्पोजिट यूजिंग लेजर पाउडर बेड फ्यूजन एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग' के लिए 15 मई 2023 को डीआईएटी (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी), पुणे द्वारा 15 मई 2023 को डीआईएटी (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी), पुणे द्वारा डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी से सम्मानित किया गया है।

अन्य

डीएमएसआरडीई में एमआई रूम का उद्घाटन, कानपुर

डॉ मयंक द्विवेदी, निदेशक, डीएमएसआरडीई ने 18 अप्रैल 2023 को रक्षा सामग्री और भंडार अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान (डीएमएसआरडीई), कानपुर में एक एमआई कक्ष का उद्घाटन किया। एमआई कक्ष को 7 वर्षों के अंतराल के बाद प्रयोगशाला के श्री शीलेंद्र कुमार, वैज्ञानिक 'एफ' और हेड वर्क्स एंड एस्टेट डिवीजन और श्री जितेंद्र कुमार यादव, वैज्ञानिक 'एफ' और प्रमुख, प्रबंधन सेवा प्रभाग के शानदार प्रयासों से चालू किया गया है। कैप्टन बसवराज, आरएमओ एमआई रूम के ओआईसी हैं। एमआई कक्ष प्रयोगशाला कर्मचारियों के प्राथमिक उपचार के लिए आवश्यक सभी उपकरणों से सुसज्जित है।

डीआरडीओ प्रयोगशालाओं में आगंतुक

एआरडीईई, पुणे

डॉ समीर वी कामत, सचिव, डीडी (आर एंड डी) और अध्यक्ष, डीआरडीओ ने 5 मई 2023 को आयुध अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान (एआरडीई), पुणे का दौरा किया। श्री ए राजू, ओएस और निदेशक, एआरडीई ने डॉ कामत का स्वागत किया। इलेक्ट्रोमैग्नेटिक रेल गन (ईएमआरजी) और 40 मिमी ग्रेनेड के लिए निदेशक, एआरडीई के साथ–साथ एसोसिएट्स निदेशकों के मार्गदर्शन में एक फायरिंग प्रदर्शन का आयोजन किया गया, जिसके बाद एचआईएलएस सुविधा का दौरा किया गया और पैदल सेना के हथियारों का प्रदर्शन और प्रदर्शन किया गया।

डीएलआरएल, हैदराबाद

डॉ समीर वी कामत, सचिव डीडी (आरएंडडी) और अध्यक्ष, डीआरडीओ ने 24 मार्च 2023 को रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएलआरएल), हैदराबाद का दौरा किया। श्री एन श्रीनिवास राव, ओएस और निदेशक, डीएलआरएल ने डॉ बी के दास, महानिदेशक (ईसीएस) और डीएलआरएल की सभी चल रही परियोजनाओं पर एक प्रस्तुति दी।

डॉ कामत ने अतिरिक्त निदेशकों और परियोजना निदेशकों के साथ बातचीत की और उन्हें निदेशालयों की परियोजनाओं और गतिविधियों की स्थिति के बारे में जानकारी दी।

डीआरएल तेजपुर

लेफ्टिनेंट जनरल मनीष एरी, एवीएसएम, एसएम, जीओसी 4 कोर ने 28 अप्रैल 2023 को रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डीआरएल), तेजपुर का दौरा किया। डॉ देव व्रत कंबोज, निदेशक, डीआरएल ने डीआरएल द्वारा विकसित विभिन्न परियोजनाओं, उत्पादों और प्रौद्योगिकियों के बारे में जानकारी दी। जीओसी 4 कॉर्प्स ने कैप्सीस्प्रै, कैप्सीग्रेनेड, बायोडाईजेस्टर, जल शुद्धता प्रणाली आदि जैसे उत्पादों और तकनीकों में गहरी रुचि दिखाई। वह उत्साही थे और उन्होंने डीआरएल द्वारा किए गए आर एण्ड डी कार्यों की सराहना की, जो उत्तर पूर्व भारत के चुनौतीपूर्ण इलाके में तैनात सेना के जवानों के लाभ के लिए तकनीकी समाधान प्रदान करता है।

एचईएमआरएल, पुणे

5 मई 2023 को डीडी आर एंड डी के सचिव और डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ एस वी कामत ने उच्च ऊर्जा सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एचईएमआरएल), पुणे का दौरा किया। उन्होंने प्रयोगशाला के वरिष्ठ वैज्ञानिकों और तकनीकी अधिकारियों के साथ बातचीत की और एचईएमआरएल की चल रही परियोजनाओं के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने गन प्रोपेलेंट फैसिलिटी और मल्टीपल मोटर प्रोसेसिंग फैसिलिटी का भी दौरा किया और एचईएमआरएल के प्रदर्शनों और गतिविधियों में गहरी दिलचस्पी दिखाई।

आईआरडीई, देहरादून

डॉ जी सतीश रेड्डी, एस ए टू आर एम ने 21 अप्रैल 2023 को इंस्ट्रूमेंट्स रिसर्च एंड डेवलपमेंट एस्टैब्लिशमेंट (आईआरडीई), देहरादून का दौरा किया। डॉ अजय कुमार, निदेशक, आईआरडीई ने आईआरडीई द्वारा की गई प्रमुख आर एंड डी पहल और आईआरडीई द्वारा विकसित प्रौद्योगिकियों को आत्मनिर्भर भारत के लिए प्रस्तुत किया। डॉ रेड्डी ने अत्याधुनिक प्रणालियों के विकास में आईआरडीई के प्रयासों और भारत के रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने के प्रयासों की सराहना की।

एनएसटीएल, विशाखापत्तनम

❊ कॉर्पोरेट निदेशकों और टीम के अन्य सदस्यों ने 10 अप्रैल 2023 को नौसेना विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एनएसटीएल), विशाखापत्तनम का दौरा किया। कॉर्पोरेट निदेशकों ने महानिदेशकों के साथ एनएसटीएल परियोजना स्थलों, सुविधाओं और प्रयोगशालाओं का दौरा किया। सदस्यों द्वारा उद्घाटन की गई एक नई वेट कैंटीन का संचालन किया गया, जहाँ उन्होंने वर्क्स कमेटी, जेसीएम & IV, प्रयोगशाला के पंजीकृत यूनियनों के सदस्यों के साथ बातचीत की।

❋ सर्जन वीएडीएम आरती सरीन, वीएसएम डीजीएमएस (नौसेना) ने 21 अप्रैल 2023 को एनएसटीएल, विशाखापत्तनम का दौरा किया। डॉ वाई श्रीनिवास राव, निदेशक, एनएसटीएल और टीम ने उनका स्वागत किया। उन्होंने वरिष्ठ वैज्ञानिकों के साथ बातचीत की और एनएसटीएल सुविधाओं के बारे में चर्चा की।

❋ डॉ समीर वी कामत, सचिव, डीडी (आर एंड डी) और अध्यक्ष, डीआरडीओ ने 27 अप्रैल 2023 को एनएसटीएल का दौरा किया। इंजीनियर एमजेड सिद्दीकी, डीजी (एनएस एंड एम) ने उन्हें एनएसटीएल गतिविधियों के बारे में जानकारी दी और डॉ कामत द्वारा एक उत्पाद प्रदर्शन केंद्र का उद्घाटन किया गया।

वीआरडीई, अहमदनगर

❋ डॉ विजय वी पटेल, ओएस एंड वैज्ञानिक 'एच', (एडीए), बेंगलुरु ने 11 मई 2023 को वाहन अनुसंधान और विकास प्रतिष्ठान (वीआरडीई), अहमदनगर का दौरा किया। उन्होंने वीआरडीई द्वारा भविष्य में शुरू की जाने वाली परियोजनाओं पर विचार–विमर्श किया और वीआरडीई को लड़ाकू वाहनों के क्षेत्र में बेहतर गतिशीलता के समाधान के साथ आने पर बल दिया। उन्होंने वीआरडीई के विभिन्न कार्य केंद्रों का दौरा किया और वीआरडीई द्वारा विकसित किए जा रहे विभिन्न उत्पादों को देखा।

❋ कमोडोर रूपक बरुआ, एडीजी–एसएसक्यूएजी ने 12 मई 2023 को वीआरडीई का दौरा किया। उन्होंने परियोजना टीम और निदेशक, वीआरडीई के साथ बातचीत की और वीआरडीई की विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति पर चर्चा की। उन्होंने नेशनल सेंटर फॉर ऑटोमोटिव टेस्टिंग (एनसीएटी) सहित वीआरडीई के विभिन्न कार्य केंद्रों का भी दौरा किया।